खर्च करने और कंजूसी को बुरा जानने का बयां

मौलाना मुहम्मद इमरान कासमी बिज्ञानवी.

एक हज़ार मुन्तखब हदीसे मिश्कात शरीफ हिन्दी.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

{१} तिर्मिज़ी, नसाई, हजरत अबू दरदा (रदी) से रिवायत है- खुलासा- रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- उस आदमी की मिसाल जो मौत के वकत सदका [दान] करता है या गुलाम आज़ाद करता है, उस आदमी की तरह है जो जरूरत पूरी होने के बाद सदका देता है.

{२} अबू दाउद, हजरत अबू हुरैरह (रदी) से रिवायत है- खुलासा- रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- किसी आदमी मे बहुत बुरी आदत ऐसी कंजूसी है जिस्मे बहुत ज़्यादा लालच और बडे दर्जे की बुज़दिली हो.

{३} तिर्मिज़ी, अबू दाउद, अहमद, हजरत उम्मे बुज़ैद (रदी) से रिवायत है-

खुलासा- मेने अर्ज़ किया ऐ अल्लाह के रसूल! गरीब मिस्कीन मेरे दरवाज़े पर खडा होता है, मुझे उस वकत शर्म आती है जब मे घर मे उस्को देने के लिये कुछ नही पाती, रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया उस्के हाथ मे कुछ रखो अगरचे एक पाया ही क्यू न हो.

{४} नसाई, हजरत अबूज़र (रदी) से रिवायत है-

खुलासा- रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- जो मुसलमान हर किस्म के माल मेसे अल्लाह की राह मे जोडा खर्च करता है तो जन्नत के फरिश्ते उस्का स्वागत करेगे. हर फरिश्ता उस्को उन इनामो की जानिब दावत देगा जो उस्के पास होंगे. मेने पूछा की जोडा खर्च करने से क्या मतलब है? आपﷺ ने फरमाया अगर उट है तो दो उट और अगर गाय है तो दो गाय.